कृषक महिला समाचार
DRWA NEWS

October, 2013-March, 2014 Vol. 7 (2)

अक्टूबर 2013 - मार्च 2014 अंक 7(2)

From Director's Desk

Women have been playing a pivotal role in Indian agriculture and allied activities as managers and decision makers. Their combined input as skilled and unskilled farm workers into farm and household activities, is much more than that of the men. Activities such as management of livestock, post-harvest management fall completely in women's domain. Despite of their lion's share of work in agricultural and allied activities, which determines country's food production, the technology transfer overlooks the complex needs of women involved in these activities. Women have fewer opportunities than men to contact outside institutions, and usually lack role in local planning and decision-making processes. It is necessary that women roles shall be acknowledged and their strategic needs in technology development and transfer processes shall be responded to. Though their needs are adequately addressed in various policy frameworks but a lot needs to be done to address these needs at grass root level. Dissemination of technology and knowledge to farmwomen along with men is crucial to increase the agricultural productivity. Extension services are important for diffusing technology and good practices, but reaching female farmers requires careful consideration. We need to develop gender responsive technologies and efficient mechanisms for transferring such technologies to farmwomen for addressing the constraints they face while accessing them.

Against this backdrop, DRWA is working conscientiously towards enabling farming community to provide gender sensitive, location specific and broad based extension services for sustainable development in agriculture and allied fields. The '*Gender Sensitive Extension Model*' developed by the Directorate is one of the stepping stones to enable women to get easy access to technologies developed to cater their gender specific needs. Through its unique gender sensitive approaches, latest and updated agricultural technologies are being transferred to the women user groups, increasing their knowledge and skill. The '*Six F Model*' and the '*Hygienic Fish Production Model*' is focused at technology transfer on specialized, income-generating opportunities in horticulture and fisheries sector witnesses a marked participation by women. Besides this, the Directorate has developed gender-sensitive training materials on a broad range of topics for institutional and individual capacity building. For the first time the Directorate celebrated Technology Week for Women in Agriculture in which several on campus and off campus activities built a platform to bridge the gap between the farm women and the developed technologies through farmwomen-scientists interfaces. Under the Tribal Sub Plan, various activities have been organised in remote tribal areas to reduce the gender gap in access and use of technologies and information. The Directorate is determined to generate and implement a supportive and integrated process of sustained trainings and timely delivery of inputs to farmwomen so that their true potential in providing food and nutrition security can be harnessed.

Neelam Grewal

निदेशक की कलम से

महिलाएँ भारतीय कृषि में कार्य प्रबंधन तथा निर्णय लेने में अहम भूमिका निभा रही है। खेत तथा घरेलू कार्य कलापों में कुशल एवं अकुशल मजदूरों के रूप में उनका संयुक्त सहयोग पुरूषों की तुलना में काफी आधिक है। पशु प्रबंधन, फसलोत्तर प्रबंधन आदि मुख्यत: महिला वर्चस्व वाले कृषि कार्य है। कृषि एवं संबंधित गतिविधियों में, जो देश के खाद्य उत्पादन को निर्धारित करती है, महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद प्रौद्योगिकि हस्तांतरण महिलाओं की जटिल आवश्यकताओं की अनदेखी करता है। पुरूषों की तुलना में महिलाओं के पास बाह्य संस्थानों में संपर्क करने के अवसर कम होते हैं, साथ ही स्थानीय स्तर पर योजना बनाने एवं निर्णय लेने की प्रकिया में भी उनकी भूमिका कम है। हालाँकि विभिन्न नीतिगत ढाँचो में महिलाओं की ज़रूरतों को संबोधित किया गया है परंतु आवश्यकता है इन जरूरतों को ज़मीनी स्तर पर पूरा किए जाने की।महिलाओ को प्राय: खाद्य सुरक्षा एवं परिवार कल्याण सुनिश्चित करने हेतु वहु कार्य संस्कृति में शामिल किया जाता है। ऐसे में जरूरी है कि उनकी विभिन्न एवं महत्वपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार किया जाए तथा उनकी सामरिक आवश्यकताओं को प्रौद्योगिकी विकास एवं हस्तांतरण की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए पुरूषों के साथ-साथ महिलाओं को भी प्रौद्योगिकी प्रसार एवं ज्ञान देना आवश्यक है।

प्रौद्योगिकी के विस्तार के लिए प्रसार सेवाऐं महत्वपूर्ण है परंतु महिला किसानों तक पहुँचने के लिए सावधानी से विचार करने की आवश्यकता है। कृषक महिलाओं तक प्रौद्योगिकी पहुँचने के लिए कुशल तंत्र का विकास आवश्यक है इसके लिए कृषक महिलाओं व पुरूषों की भागीदारी से तकनीकि को आवश्यकतानुसार परिष्कृत किया जाना चाहिए।इस पृष्ठभूमि में कृ.म.अनु.नि. जैन्डर संवेदनशील, स्थान विशेष तथा व्यापक प्रसार सेवाओं के माध्यम से कृषक समुदाय को सक्षम करने की दिशा में सतत रूप से कार्य कर रहा है। निदेशालय द्वारा विकसित जैन्डर संवेदनशील प्रसार मॉडल, महिलाओं की विशिष्ट जरूरतों की पूरा करने के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को कृषक महिलाओं तक आसानी से पहुँचाने की दिशा में एक कदम है। यह मॉडल नई कृषि प्रौद्योगिकियों को महिला समूहों तक पहुँचकर, उनका ज्ञान एवं कौशल विकसित करने में सक्षम है।

निदेशालय द्वारा विकसित 'छ: एफ् मॉडल' एवं 'स्वच्छ मत्स्य उत्पादन मॉडल' कमश: बागवानी एवं मात्स्यिकि क्षेत्र में महिलाओं के लिए आजिविका के स्त्रोत बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी है। इसके अलावा निदेशालय में कृषि से संबधित अनेक विषयों पर जैन्डर संवेदनशील एवं महिला अनुकूल प्रशिक्षण सामग्री संस्थागत व व्यक्तिगत क्षमता निर्माण हेतु विकसित की गई हैं। इस वर्ष निदेशालय में स्व-प्रांगण व बाह्य परिसर में 'कृषिरत महिलाओं हेतु तकनीकि सप्ताह' मनाया गया जिसमें 'वैज्ञानिक-कृषक महिला वार्ता' एवं प्रदर्शनी आयोजित कर कृषक महिलाओं को विभिन्न कृषिरत तकनीकियों का ज्ञान दिया गया। जनजातीय उपयोजना के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर कृषि तकनीकि तथा कृषक महिलाओं के मध्य की दूरी को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। निदेशालय कृषिरत महिला को निरंतर प्रशिक्षण व सूचना हस्तांतरित करने हेतु एक एकीकृत प्रक्रिया विकसित तथा लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रदान करने में कृषक महिलाओं की संपूर्ण क्षमता का इस्तेमाल किया जा सके।

नीलम ग्रेवाल

DIRECTORATE OF RESEARCH ON WOMEN IN AGRICULTURE

DIRECTORATE NEWS

निदेशालय समाचार

Women in Agriculture Day

The Directorate of Research on Women in Agriculture (DRWA), Bhubaneswar celebrated 'Women in Agriculture Day' by organizing an Animal Health Camp at Tarajodi village in Shamakhunta block of Mayurbhanj district (Odisha) adopted under Tribal Sub Plan. The cyclone '*Phailin*', and the subsequent floods had resulted in heavy mortality and spread of contagious diseases in livestock in this area. Realizing the significance of livestock in the livelihood of tribal families and their poor access to animal health care services due to the remoteness of the village, the camp was organized in association with the Animal Resources Department, Govt. of Odisha, Mayurbhanj to provide veterinary services at the doorstep. About 500 cattle, buffalo as well as small animals such as goats and poultry birds were treated in the camp. Apart from vaccination, mass treatment on debility, anorexia, diarrhea, delayed maturity, sprain, cough, fever, wounds, bacillary white diarrhea etc. was given to animals.

कृषिरत महिला दिवस आयोजन

कृषिरत महिला अनुसंधान निदेशालय, भुवनेश्वर ने मयूरभंज जिले के शामकुंता ब्लॉक के ताराजोड़ी गाँव में एक 'पशु स्वास्थ्य शिविर' का आयोजन कर 'कृषिरत महिला दिवस' मनाया। 'फैलिन' चक्रवात तथा तत्पश्चात निरंतर बाढ़ के कारण इस गाँव में जानवरों में बीमारियाँ फैलने के कारण उनकी मृत्युदर बढ़ गई। इस गाँव के परिवारों के आजीविका में पशुधन का महत्वपूर्ण योगदान होने की वजह से इस शिविर का आयोजन पशु संसाधन विभाग, उड़ीसा सरकार, मयूरभंज के सहयोग से किया गया। लगभग 500 मवेशियों, (भैंस, बकरी, कुक्कुट इत्यादि) का इलाज इस शिविर में किया गया। इसके अलावा टीकाकरण, दुर्बलता, खाँसी, बुखार इत्यादि का उपचार बड़े पैमाने पर किया गया।

Technology Week for Women in Agriculture

'Technology Week for Women in Agriculture' was celebrated by DRWA from January 22- 27, 2014 with various off- campus and on-campus programmes. The celebrations started with an off-campus programme on January 22, 2014 in a tribal village- K.M. Bhalia Shahi in R. Udayagiri block of Gajapati district. As a part of the programme, an animal health care camp was organized to provide veterinary services. An awareness programme on drudgery reducing implements for farm women was conducted in which demonstration of maize dehusker sheller were undertaken and hampers of women-friendly, drudgery reducing minor farm implements were distributed. The second off-campus programme was conducted at village Sakhigopal in Puri district on January 23, 2014 in which 'Farmers' -Scientists'- Interaction' was carried out and training on protected cultivation of high value crops was organized. The third off-campus programme was conducted on January 24, 2014 in the tribal village

कृषिरत महिला के लिए तकनीकि सप्ताह आयोजन

'कृषिरत महिलाओं के लिए तकनीकि सप्ताह' 22-27 जनवरी, 2014 को निदेशालय द्वारा स्वप्रांगण तथा परिसर से बाहर कार्यक्रम आयोजित कर मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आर.उदयगिरि ब्लॉक के के.एम. भाल्याशाही नामक गाँव में 22 जनवरी 2014 को एक 'पशु स्वास्थ्य शिविर' के आयोजन से किया गया। इसके अलावा कठिन श्रम कम करने में प्रयुक्त होने वाले कृषि उपकरणों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मक्का छीलने तथा दाना निकालने का यंत्र तथा कृषक महिला - अनुकूल उपकरणों का प्रदर्शन एवं वितरण किया गया। दूसरा कार्यक्रम पुरी जिले के सखीगोपाल गाँव में 23 जनवरी, 2014 को किया गया जिसमें किसान-वैज्ञानिक वार्ता एवं 'उच्च मूल्य की फसलों की संरक्षित खेती' पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसी क्रम में तीसरे कार्यक्रम का आयोजन 24 जनवरी, 2014 को खुर्दा जिले के गुप्तापड़ा गाँव में किया गया जिसमें घर के आँगन में मुर्गीपालन पर प्रशिक्षण प्रदान

Off campus training programme in Gajapati District

Off campus training programme in Puri District

Off campus training programme in Khorda District

On campus programme, DRWA, Bhubaneswar

Guptapada in Jatni block of Khurda district, in which a training on rearing of backyard poultry was organized. The process of immunization of chicks was demonstrated and skill was imparted to master trainers. The programme was followed by 'Scientists' – Farm Women Interface'. In continuation of these three off-campus programmes, exposure visit to DRWA was arranged for 110 farm women from Guptapada, Haridamada, Suila and Goriapokhori villages on January 25, 2014. On the concluding day of the technology week i.e. January 27, 2014, an exhibition of technologies developed by DRWA as well as other ICAR institutes viz., CRRI, CARI, CHES, CTCRI, DWM, CIFA and a public sector undertaking Paradeep Phosphates Ltd. (PPL) was arranged. Four hundred farm women from different parts of Odisha visited the campus and participated in an interface with the experts from different fields of agriculture. The valedictory session of the Technology Week for Women in Agriculture was presided over by Dr. Neelam Grewal, Director, DRWA. Hon'ble Vice-Chancellor of Orissa University of Agriculture and Technology (OUAT), Prof. Dr. Manoranjan Kar, was the Chief Guest of the programme and distributed prizes to the winners of knowledge debates conducted during the three off-campus programmes. The new website of DRWA was also launched by the chief guest on the same occasion.

किया गया। साथ ही चूजों के टीकाकरण का प्रदर्शन तथा मास्टर प्रशिक्षकों को ज्ञान-कौशल प्रदान किया गया। इन सभी परिसर से बाहर कार्यक्रमों के अलावा निदेशालय परिसर में भी कुछ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें मुख्य हैं 25 जनवरी, 2014 को गुप्तपड़ा, हरिड़ामडा, स्विला तथा गोरियापोखरी गाँव की 110 कृषक महिलाओं को निदेशालय भ्रमण कराना तथा निदेशालय की विभिन्न तकनीकियों को प्रदर्शित करना। तकनीकि सप्ताह का समापन समारोह 27 जनवरी, 2014 को किया गया। निदेशालय प्रांगण में निदेशालय तथा अन्य भा.कृ. अनु.प के संस्थानों (CRRI, CARI, CHES, CTCRI, DWM, CIFA) तथा एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम पारादीप फॉस्फेटस लिमिटेड (PPL) द्वारा ओडिशा के विभिन्न हिस्सों से आई कुल 400 कृषक महिलाओं हेतु प्रदर्शनी लगाई गई तथा एक कृषक वैज्ञानिक वार्ता आयोजित की गई। कृषक महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी सप्ताह के समापन सत्र का आयोजन डा. नीलम ग्रेवाल, निदेशक, कृ.म.अनु.नि. की अध्यक्षता में किया गया। कार्यकम के मुख्य अतिथि, प्रो.डा. मनोरंजन कर, कुलपति, ओ.यू.ए.टी., भुवनेश्वर ने परिसर से बाहर आयोजित की गई ज्ञान वार्ताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसी उपलक्ष्य में निदेशालय की नई वेबसाइट का भी उद्घाटन किया गया।

RESEARCH HIGHLIGHTS

अनुसंधान उपलब्धियाँ

Perceived Constraints in Poultry Rearing

Under the project Multi Agency Participatory Extension Model (MAPEM) for Livelihood Improvement of Rural Women through Backyard Poultry, the constraints faced by the farm women in poultry rearing have been identified. Lack of

मुर्गी पालन में कथित बाधाएँ

'मुर्गीपालन द्वारा ग्रामीण महिलाओं की आजीविका सुधारने हेतु बहु हितधारक भागीदारी प्रसार मॉडल' परियोजना के अंतर्गत, कृषक महिलाओं द्वारा मुर्गीपालन में महसूस किए जाने वाली बाधाओं का

scientific knowledge on rearing of day old chicks was found to be the major constraint perceived (score 2.51), followed by lack of any strong mechanism for Transfer of Technology (2.37), ignorance about source of supply of inputs and supporting agencies (2.30), rare chance for any skill training (2.22), lack of scientific practices on poultry production (1.86) and lack of skill in selling practices (1.70).

अध्ययन किया गया। एक दिन के चूजों के पालन में वैज्ञानिक ज्ञान का अभाव (स्कोर 2.51) सबसे बड़ी बाधा पाई गई। तत्पश्चात् तकनीकि के प्रसार में उपयुक्त तंत्र का अभाव (2.37), निवेश तथा समर्थन एजेंसियों के बारे में जानकारी का अभाव (2.30), कौशल प्रशिक्षण का अभाव (2.22), मुर्गीपालन की वैज्ञानिक तकनीकि का अभाव (1.86) तथा विक्रय कौशल की कमी (1.70) आदि अन्य मुख्य बाधा पाई गई।

Gender Gap in Work Participation in 2011

Gender gap in work participation, which is the difference between work participation rate (WPR) of male and female, is an important indicator of level of gender equality in work participation. Ideally, gender gap should decline as development progresses. But available Census data suggest that during 2001 and 2011, gender gap in work participation rate across the nation as well as in many states has widened. At all India level, gender gap which was 26 points in 2001 increased to 27.7 points in 2011. In 2011, Nagaland has the least gender gap (8.68 points) followed by Manipur (13.02 points), Arunachal Pradesh (13.62 points) and Himachal Pradesh (13.87 points) and Meghalaya (14.5 points). Some of the states and UT with high gender gap are Daman &Diu (56.59 points), Delhi(42.41 points), Andaman & Nicobar Islands (41.78 points), Punjab(41.24 points) and Chandigarh (40.51 points) . Categorization of states and UTs into low gender gap (gender gap < 15% points), moderate gender gap (gender gap 15-24.9% points), high gender gap (gender gap 25% points and above) suggests that in 2011, out of 35 states and UTs in India, only five have low gender gap, nine have moderate gender gap, twenty one have high gender gap as against seven, ten and eighteen states/UTs respectively in 2001. Chhattisgarh and Mizoram which were in 'low gender gap' category in 2001 slipped into 'moderate gender gap' category in 2011. Haryana, Dadra and Nagar Haveli and Karnataka which were in 'moderate gender gap' category in 2001, slipped into ' high gender gap' category in 2011. Between 2001 and 2011, 26 states and UTs experienced widening of gender gap in WPR to varying degree, indicating deterioration of gender gap situation. Decline in female WPR is the major reason for deterioration in gender parity in work participation in those states and UTs. In some states like Daman & Diu, Gujarat, Manipur, Uttarakhand, Tripura and Madhya Pradesh, increase in male WPR, though a positive development, contributed to widening of gender gap. Only a few states and UTs, viz. Chandigarh, Bihar, Arunachal Pradesh, Kerala, Andhra Pradesh and Jharkhand experienced a decline in gender gap.

सन् 2011 में कार्य-भागीदारी दर में लैंगिक अंतर

महिलाओं तथा पुरूषों के कार्य भागीदारी दर में अंतर लैंगिक समानता का एक महत्वपूर्ण सूचक है। आदर्श रूप में, विकास के साथ लैंगिक अंतर कम होना चाहिए, लेकिन उपलब्ध जनगणना के आँकड़े कुछ अलग तस्वीर प्रस्तुत कर रहे है। सन् 2001 तथा 2011 के जनगणना के अनुसार संपूर्ण देश तथा काफी प्रदेशों के कार्यक्रम में लैंगिक अंतर में वृद्धि पाई गई है। अखिल भारतीय स्तर पर लैंगिक अंतर, जोकि 2001 में 26 अंक था, 2011 में बढ़कर 27.7 अंक हो गया। सन् 2011 में नागालैण्ड (8.68 अंक) में सबसे कम लैंगिक अंतर पाया गया। इसके बाद कम अंतर वाले राज्य हैं मणिपुर (13.02 अंक), अरूणाचल प्रदेश (13.62 अंक), हिमाचल प्रदेश (13.87 अंक) तथा मेघालय (14.50 अंक)। अधिक लैंगिक अंतर पाए गए कुछ राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश हैं - दमन एवं दीयु (56.59 अंक), दिल्ली (42.41 अंक), अण्डमान एवं निकोबार (41.78 अंक), पंजाब (41.24 अंक) तथा चंडीगढ़ (40.51 अंक)। जब सभी राज्यों का अधिक (25 प्रतिशत अंक से अधिक लैंगिक अंतर), मध्यम (15 - 24.9 प्रतिशत अंक तक लैंगिक अंतर) तथा निम्न (15 प्रतिशत अंक से कम लैंगिक अंतर) के आधार पर श्रेणीकरण किया गया तो ये पाया गया कि 2011 में भारत के प्रदेशों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में से केवल 5 में निम्न, 9 में मध्यम, 21 में अधिक लैंगिक अंतर पाया गया जोकि 2011 में क्रमश: 7,10 तथा 18 राज्य/ केन्द्रशासित प्रदेश थे। छत्तीसगढ़ तथा मिजोरम, जो कि 2001 में निम्न लैंगिक अंतर की श्रेणी में थे, 2011 में मध्यम लैंगिक अंतर श्रेणी में अंकित किए गए। हरियाणा, दादरा एवं नगर हवेली तथा कर्नाटक, जोकि 2001 में मध्यम लैंगिक अंतर श्रेणी में थे, वे 2011 में उच्चतम लैंगिक अंतर श्रेणी में आंके गए। सन् 2001 तथा 2011 के बीच 26 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में लैंगिक अंतर में वृद्धि पाई गई जो सीधे-सीधे लैंगिक अंतर स्थिति में गिरावट को दर्शाता है। इन सभी क्षेत्रों में महिला कार्य भागीदारी दर में गिरावट काम में भागीदारी में लिंग समानता में गिरावट (WPR) का मुख्य कारण पाया गया। कुछ प्रदेशों जैसे दमन एवं दीयु, गुजरात, मणिपुर, उत्तराखण्ड, त्रिपुरा, मध्यप्रदेश में पुरूषों की कार्य में भागीदारी में वृद्धि (जो कि सकरात्मक विकास है) के कारण लैंगिक अंतर में वृद्धि पाई गई। कुछ ही प्रदेशों/केन्द्रशासित प्रदेशों जैसे बिहार, छत्तीसगढ़, अरूणाचल प्रदेश, केरल, आँध्र प्रदेश तथा झारखण्ड में लैंगिक अंतर में गिरावट देखी गई।

Quality of Silage from Fish and Shell Fish Wastes

The quality of silage prepared from the dressing waste of fresh water fishes has been studied for 180 days. The biochemical quality indices like the pH, Total Volatile Base Nitrogen (TVBN) and ThioBarbituric Acid (TBA) value and bacteriological quality indicator Total Viable Count (TVC) were estimated. The silage prepared was found to have good keeping quality even after six months of storage at room temperature.

मत्स्य तथा प्रवाल के कचरे से तैयार साइलेज की गुणवत्ता

मत्स्य अपशिष्ट से तैयार किए गए साइलेज की गुणवत्ता का 180 दिनों तक अध्ययन किया गया। विभिन्न जैव रसायनिक सूचकों जैसे pH, कुल वाष्पशील बेस नाइट्रेजन (TVBN), थियो बाराबिट्यूरिट एसिड (TBA) मूल्य एवं जीवाणु गुणवत्ता सूचक (TVC) को मापा गया। तैयार किए गए साइलेज की कमरे के तापमान पर छः महीने तक भंडारण क्षमता अच्छी पाई गई।

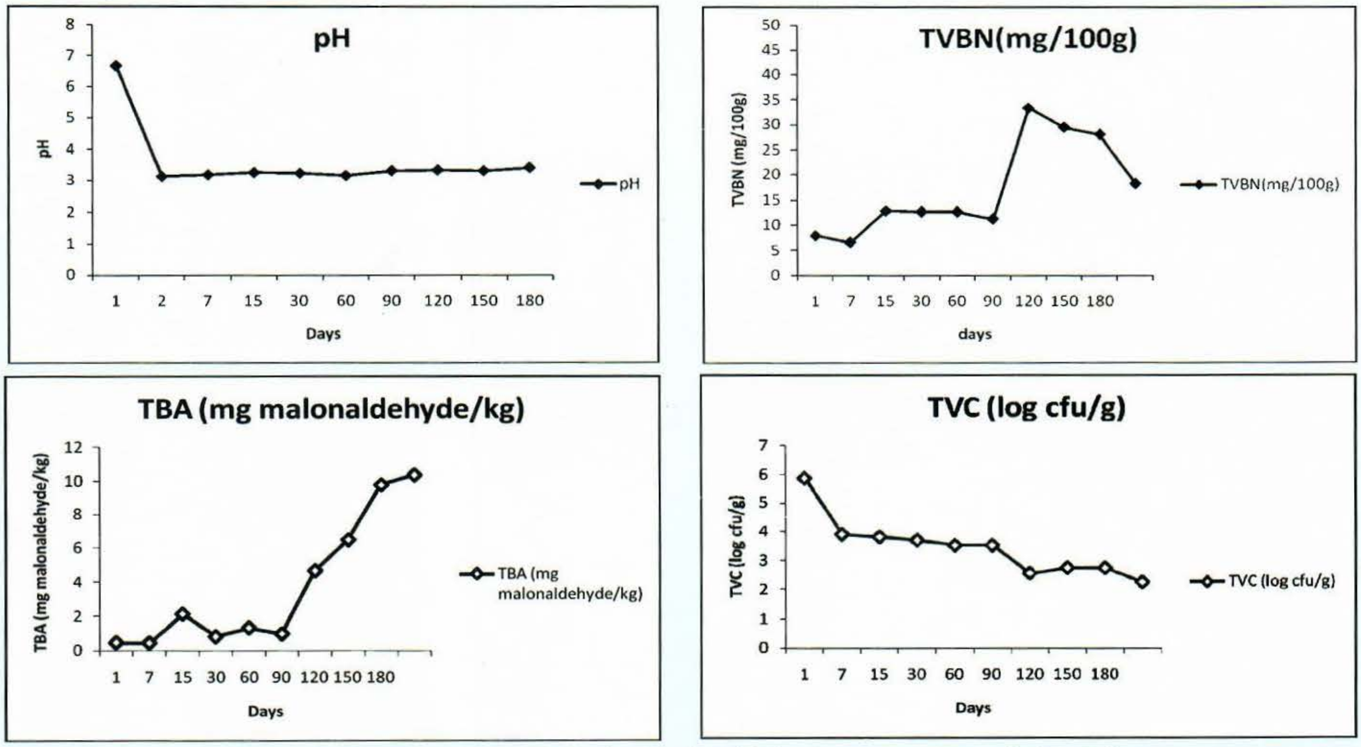

Changes in pH, TVBN, TBA & TVC of acid added fish silage over a period of 180 days

Gender Gap in the Nutritional Status

Gender gap in the nutritional status, has been identified in four rice based cropping systems-rice-rice, rice-wheat, rice-pulse, and rice-millet in four states. Nutritional status assessment based on anthropometric measurements and haemoglobin count revealed that highest malnutrition was found in rice-rice cropping pattern (Puri district of Odisha) and lowest in rice-pulse cropping pattern (Hoshangabad district of M.P.) among the four studied rice cropping system households.Gender gap in the nutritional status was highest in rice-rice cropping system and lowest in rice-wheat cropping system.

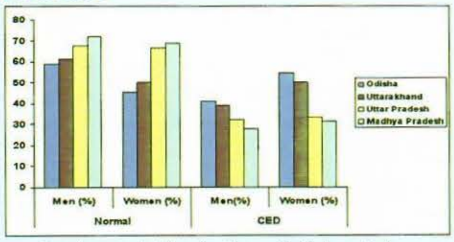

Gender gap in Chronic Energy Deficiency in four rice based cropping systems

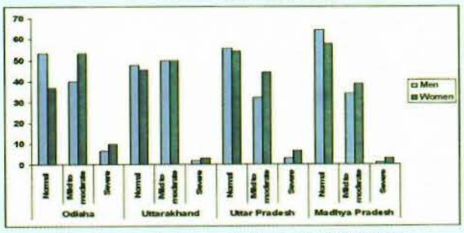

Gender gap in haemoglobin count in four rice based cropping systems

पोषण स्तर में लैंगिक अंतर

चार राज्यों की चावल आधारित फसल प्रणालियों जैसे चावल-चावल, गेहू-चावल, चावल-दाल तथा चावल-मोटा अनाज में पोषण स्तर में व्याप्त लैंगिक अंतर का अध्ययन किया गया। मानवशास्त्रीय पैमाने तथा हीमोग्लोबिन स्तर पर आधारित पोषण स्थिति के आँकलन से पता चला कि चावल-चावल आधारित फसल प्रणाली (ओडिशा के पुरी जिले) में सर्वाधिक कुपोषण तथा चावल-दाल फसल प्रणाली में सबसे निम्न कुपोषण (मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले) पाया गया। पोषण स्तर में लैंगिक अंतर सबसे अधिक चावल-चावल फसल प्रणाली में तथा सबसे निम्न चावल-गेहूँ फसल प्रणाली में पाया गया।

PROGRAMMES CONDUCTED

आयोजित कार्यक्रम

Model Training Course

A Model Training Course entitled 'Promotional issues of women in agriculture for farm mechanization and further steps to reduce their drudgery with increased output' sponsored by Department of agriculture and cooperation, Directorate of Extension, New Delhi, Govt. of India was conducted for eight days during November 6-13, 2013. A total of 22 participants including farmwomen/farmers from 8 states viz. Haryana, Uttar Pradesh, Chhattisgarh, Andhra Pradesh, Madhya Pradesh, Himachal Pradesh, Odisha and West Bengal attended the training programme.

The participants were provided knowledge and skill regarding women friendly tools and equipments; anthropometrical and strength issues in design/ assessment of farm tools and equipment for women; physiological workload, aerobic capacity, ergonomics, drudgery and its assessment technique; knowledge about role of Bureau of Indian Standards (BIS) in farm mechanization; nutritional security of farm families; health hazards of farm women; gender issues in agriculture, horticulture and livestock; gender sensitive extension techniques; gender focused entrepreneurial development; women friendly IPM techniques and Government programmes for women in agriculture. The course was coordinated by Dr. Jyoti Nayak, Dr. Abha Singh and Miss Gayatri Moharana.

आदर्श प्रशिक्षण कार्यक्रम

निदेशालय में 6-13 नवम्बर, 2013 को कृषि एवं सहकारिता विभाग, प्रसार निदेशालय, नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित आठ दिवसीय मॉडल प्रशिक्षण कार्यक्रम 'कृषिरत महिलाओं के कृषि यन्त्रीकरण संबंधित संवर्धन मुद्दें एवं कठिन परिश्रम को घटाने तथा उत्पादन वृद्धि हेतु आगे के कदम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 8 राज्यों (हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आँध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा तथ प. बंगाल) के कृषक/ कृषक महिलाओं समेत 22 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में महिला-अनुकूल उपकरणों, कृषि उपकरणों के निर्माण में मानवशास्त्रीय तथा शारीरिक क्षमता संबंधी मुद्दों, शारीरिक कार्य का बोझ, वातापेक्षित क्षमता, थकान मापने की तकनीकि, कृषि मशीनीकरण में BIS की भूमिका, कृषक परिवारों की पोषण सुरक्षा, कृषक महिलाओं को कार्य संबंधी स्वास्थ्य खतरे, कृषि बागवानी तथा पशुपालन में लैंगिक मुद्दे, जैन्डर संवेदनशील विस्तार मॉडल, महिला-उपयुक्त उद्यमिता विकास, महिला-अनुकूल एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीकि तथा कृषक महिलाओं हेतु सरकारी कार्यक्रम आदि पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा.ज्योति नायक, डा. आभा सिंह तथा सुश्री गायत्री महारणा ने किया।

IPR Sensitization Programme

An IPR sensitization programme on 'Protection of plant varieties for IPR' was organized in the Directorate on December 11, 2013. The invited speaker, Dr B.C. Patra, Principal Scientist, Central Rice Research Institute, Cuttack, deliberated upon IPR issues related to protection of plant varieties especially rice, legal and policy concepts related to plant varieties and plant breeder's and farming community's rights. The meeting was presided over by the Director, DRWA and scientists from DRWA, CARI, CTCRI and CHES attended the programme.

बौद्धिक संपदा अधिकार संवेदनशीलता कार्यक्रम

निदेशालय में 11 दिसम्बर, 2013 को 'बौद्धिक संपदा अधिकार हेतु पादप किस्मों का संरक्षण' पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आमंत्रित वक्ता डा. बी.सी.पात्रा, प्रधान वैज्ञानिक, सी. आर.आर.आई, कटक ने इस कार्यक्रम में पादप किस्म संरक्षण (मुख्यत: चावल) एवं पादप किस्मों तथा पादप प्रजनक एवं किसान समुदाय के अधिकार संबंधी कानून तथा पॉलिसी पर बौद्धिक संपदा अधिकार मुद्दों पर चर्चा की। सभा की अध्यक्षता डा. नीलम ग्रेवाल, निदेशक, कृ.म.अनु.नि. ने की तथा DRWA, CARI, CTCRI एवं CHES के वैज्ञानिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

National Training Programme

A National Training Programme on 'Empowerment of Women working in agriculture sector' for Extension functionaries of Uttar Pradesh was conducted from January 28 - February 1, 2014 at DRWA, Bhubaneswar. The training programme was attended by 18 participants. Dr. Sabita Mishra, Dr. H.K.Dash and Dr. Abha Singh coordinated the programme.

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

'कृषक महिला सशक्तिकरण' पर निदेशालय में 28 जनवरी-01 फरवरी, 2014 को उत्तर प्रदेश के प्रसार कर्मियों के लिए एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 18 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को डा. सबिता मिश्रा, डा. एच.के. दाश एवं डा. आभा सिंह ने समन्वित किया।

Training cum Awareness Programme

A Training cum Awareness programme on 'Protection of Plant Varieties and Farmer's Right' was conducted on March 29, 2014 at DRWA. About 100 participants attended the programme including farm women/farmers and scientists of DRWA, CTCRI, CHES, CARI and OUAT, Bhubaneswar. Prof. Baburam Singh, Convener, IPR Cell of OUAT delivered a talk on the above topic. A scientists-cum-farmers interface was also organized during the programme. Dr. Sabita Mishra, Dr. Jyoti Nayak and Dr. Abha Singh coordinated the programme.

प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम

निदेशालय में 29 मार्च 2014 को 'पादप किस्म संरक्षण तथा कृषक अधिकार' पर एक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। DRWA, CTCRI, CHES, CARI तथा OUAT, भुवनेश्वर के वैज्ञानिकों, विभिन्न कृषकों/ कृषक महिलाओं समेत कुल 100 लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रो. बाबूराम सिंह, संयोजक, IPR सेल, ओ. यू.ए.टी., भुवनेश्वर ने उपरोक्त विषय पर वार्ता प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में एक वैज्ञानिक - कृषक वार्ता का भी संचालन किया गया। डा. सबिता मिश्रा, डा. ज्योति नायक तथा डा. आभा सिंह ने कार्यक्रम को समन्वित किया।

Sensitization Workshop

A sensitization workshop on 'Solar Poultry Incubator Awareness and ICT Integration for empowerment of women' under the project 'Multi Agency Participatory Extension Model (MAPEM) for Livelihood Improvement of Rural Women through Backyard Poultry' was held at DRWA campus for farmers and scientists on February 20, 2014. The workshop was coordinated by Dr. Sabita Mishra and Dr. Anil Kumar.

संवेदीकरण कार्यशाला

'घर के आँगन में मुर्गीपालन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की आजीविका में सुधार हेतु बहु हितधारक भागीदारी विस्तार मॉडल' (MAPEM) परियोजना के अंतर्गत 'सौर उर्जा चालित पोल्ट्री इनक्यूबेटर एवं महिला सशक्तिकरण हेतु ICT एकीकरण' विषय पर 20 फरवरी 2014 को किसानों तथा वैज्ञानिकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला डा. सबिता मिश्रा एवं डा. अनिल कुमार द्वारा समन्वित की गई।

Training Programmes for Farmers/Farm Women

An orientation training on 'Micro propagation as a suitable method of quality seed availability' was conducted on February 4-6, 2014 under the project 'Technological empowerment of farmwomen in production of quality seeds and planting materials of vegetables'. Ten farmwomen, from Maidharpada village of Cuttack district, who are involved in participatory research of the project were given exposure on tissue culture multiplication, its utility and methodology. Demonstration was made on media preparation and inoculation of the explants.

किसानों/कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'माइक्रो प्रोपागेशन गुणवत्ता बीज की एक उपयुक्त विधि' पर 4-6 फरवरी, 2014 को सब्जियों के गुणवत्तायुक्त बीज एवं पौध उत्पादन में कृषक महिलाओं का प्रौद्योगिकी सशक्तिकरण परियोजना के अन्तर्गत आयोजित किया गया। कटक जिले के मैदारपाड़ा गाँव की 10 कृषक महिलाएं जो इस परियोजना में शामिल थी उन्हें टिशु कल्चर का मीडिया तैयार करना, इसकी उपयोगिता और कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गयी।

Three days Training-cum-Demonstration programme for farm women on 'Processing and value addition' was conducted at DRWA, Bhubaneswar on February 19-21, 2014. Preparation of low cost nutritious recipes and value addition of horticultural crops and low cost fishes was demonstrated to farm women. The training programme was coordinated by Dr. Abha Singh, Mrs. Tanuja S. and Dr. Kushagra Joshi.

प्रसंस्करण और मूल्यसंवर्धन पर कृषक महिलाओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन 19-21 फरवरी, 2014 को कृ.म.अनु.नि., भुवनेश्वर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कम लागत के पौष्टिक व्यंजनों, बागवानी फसलों एवं कम लागत की मछलियों के मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन किया गया। इस प्रशिक्षण को डा. आभा सिंह, श्रीमती तनुजा एस और डा.कुशाग्रा जोशी द्वारा समन्वित किया गया।

A training programme on Integrated Pest Management under the project 'Identification of gender issues in IPM and suitable intervention with women perspective' was conducted at Otarakera village of Puri district on March 21, 2014 in which 53 Farmwomen/ Farmers including two Krishi rakshaks and other stakeholders participated.

'एकीकृत कीट प्रबंधन में लैंगिक मुद्दों की पहचान एवं महिलाओं के अनुरूप उपयुक्त इन्टरवेन्शन' परियोजना के अन्तर्गत एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 21 मार्च, 2014 को पुरी जिले के ओटारकेरा गाँव में आयोजित किया गया जिसमें 53 कृषकों/ कृषक महिलाओं, दो कृषक रक्षकों सहित अन्य हितधारकों ने भाग लिया।

Farmer- Scientist Interfaces

किसान-वैज्ञानिक इन्टरफेस

A Scientist-Farmer Interface on IPM was organized at Otarakera village of Puri District on December 12, 2013 under the project 'Identification of gender issues in IPM and suitable intervention with women perspective'. More than 61 farmwomen/farmers and other stakeholders participated in the interface.

एकीकृत कीट प्रबंधन में लैंगिक मुद्दों की पहचान एवं महिलाओं के अनुरूप उपयुक्त इन्टरवेन्शन परियोजना के अन्तर्गत 'किसान-वैज्ञानिक इन्टरफेस' का आयोजन 12 दिसंबर, 2013 को पुरी जिले के ओटारकेरा गाँव में आयोजित किया गया जिसमें 61 कृषक/ कृषक महिलाओं सहित अन्य हितधारकों ने भाग लिया।

A Farmer - Scientist interface was organized on March 12, 2014 at Jhadeswarpur village of Cuttack district under the project 'Assessment of Integrated Farming Model for improved Food Security and Livelihood in Rural Households'. The identified owner of ten households along with other villagers attended the meeting. Discussion was held on package of practices for important plantation crops like guava, mango, banana, pine apple and involvement of farm women in different farm activities. Seedlings of mango (variety: Arka nilachal kesari, Amrapali), Guava (variety: Allhabad Safed), Kankada (variety: Gourava), Honey bee boxes were distributed to the identified farmers of the project area.

एक किसान-वैज्ञानिक इन्टरफेस का आयोजन 'ग्रामीण परिवारों की खाद्य सुरक्षा और आजीविका सुधार के लिए एकीकृत कृषि मॉडल का आँकलन' परियोजना के अन्तर्गत 12 मार्च, 2014 को कटक जिले के झाड़ेश्वरपुर गाँव में आयोजित किया गया। अन्य ग्रामीणों के साथ दस चुने हुए परिवारों ने बैठक में भाग लिया। बैठक में आम, अमरूद, केला, अन्नानास जैसे फलों के वृक्षारोपण एवं विभिन्न कृषि गतिविधियों में कृषक महिलाओं की भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। अन्त में आम, अमरूद, कॉकड़ के पौधे तथा मधुमक्खी के बक्से चुने गए परिवारों को वितरित किए गए।

Stake Holders Meet

हितधारकों की बैठक

Under the project 'Technology application and gender mainstreaming in agriculture for developing a model village', a stakeholder meet was conducted on March 24, 2014 at Giringaput village of Khurda district. Discussion was held on the package and practices of elephant foot yam

'कृषि में प्रौद्योगिकि के अनुप्रयोग एवं जैन्डर को मुख्यधारा में लाकर एक आदर्श गाँव का विकास' परियोजना के अन्तर्गत एक हितधारकों की बैठक का आयोजन 24 मार्च, 2014 को खुर्दा जिले के गिरिंगापुट गाँव में किया गया। चर्चा का मुख्य विषय Elephant foot yam की खेती था। श्री सुशांत

cultivation. Mr. Sushanta Kumar Jata, JFS of Regional Centre of Central Tuber Crop Research Institute, imparted training on planting of the tuber to farm women. More than 50 farm women attended the meeting.

कुमार जाटा, जे.एफ.एस., सेंट्रल कंद अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्र, ने कृषक महिलाओं को कंद के रोपण एवं उत्पादन पर प्रशिक्षण सह कौशल विकास पर प्रशिक्षण दिया। 50 से अधिक कृषक महिलाओं ने बैठक में भाग लिया।

MASS MEDIA PROGRAMMES

- Dr. Sabita Mishra delivered a TV talk on 'Gramina Mahilanka Arthanaitika Bikas' in Odia, telecasted on October 12, 2013 through DDK, Bhubaneswar.
- Dr. Sabita Mishra delivered a TV talk on 'Krishi Jantrikaran', telecasted on March 11, 2014 through DDK, Bhubaneswar.
- Dr. Sabita Mishra delivered a radio talk on 'Krushijibi Mahilanka Pain Krushi Udyoga,' broadcasted on January 14, 2014 through AIR, Cuttack.

मास मीडिया कार्यक्रम

- डा. सबिता मिश्रा द्वारा 'ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक उन्नति का विकास' पर उड़िया भाषा में टीवी टॉक का प्रसारण 12 अक्टूबर, 2013 को दूरदर्शन केन्द्र, भुवनेश्वर द्वारा किया गया।
- डा. सबिता मिश्रा द्वारा 'कृषि यांत्रीकरण' पर उड़िया भाषा में टीवी टॉक का प्रसारण 11 मार्च 2014 को दूरदर्शन केन्द्र, भुवनेश्वर द्वारा किया गया।
- डा. सबिता मिश्रा द्वारा 'कृषि महिलाओं के लिए कृषि उद्योग' पर उड़िया भाषा में रेडियों टॉक का प्रसारण आकाशवाणी, कटक से 14 जनवरी, 2014 को किया गया।

DISTINGUISHED VISITORS

- Dr. V.N. Sharda, Hon'ble Member, ASRB, New Delhi visited the Directorate on December 12, 2013.
- Prof. Dr. Manoranjan Kar, the Hon'ble Vice-Chancellor of Orissa University of Agriculture and Technology (OUAT), visited the Directorate on the occasion of the Technology week for women in agriculture on January 27, 2014.
- Shri Gopalan, IAS, Director, Dept. of Agriculture, Odisha visited the Directorate on February 28, 2014.

विशिष्ट आगंतुक

- डा. वी.एन. शारदा, माननीय सदस्य, ए.एस.आर.बी, नई दिल्ली ने 12 दिसम्बर, 2013 को निदेशालय का दौरा किया।
- प्रो (डा) मनोरंजन कर, माननीय कुलपति, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने 27 जनवरी, 2014 को कृषि क्षेत्र में महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी सप्ताह के अवसर पर निदेशालय का दौरा किया।
- श्री गोपालन, आई.ए.एस., निदेशक, कृषि विभाग, उडिशा ने 28 फरवरी, 2014 को निदेशालय का दौरा किया।

PARTICIPATION IN EXHIBITIONS

- Dr. Sabita Mishra and Dr. Jyoti Nayak participated in exhibition in '8th KVK Conference' from October 23-25, 2013 at UAS, Bangalore.
- Dr. H.K. Dash and Dr. Kushagra Joshi participated in exhibition in 'Eastern Region Agricultural Technology Showcasing Meet-2013' from December 6-7, 2013 at ICAR-RCER Campus, Patna.
- Dr. Naresh Babu and Dr. Ananta Sarkar participated in exhibition in 'National Seminar on Environment and Energy: Challenges and Opportunities' on December 14, 2013 organized by State Pollution Control Board, Government of Odisha and IQEMS at Bhubaneswar.

प्रदर्शनियों में भागीदारी

- डा. सबिता मिश्रा एवं डा. ज्योति नायक ने '8वीं कृषि विज्ञान केन्द्र सम्मेलन', 23-25 अक्टूबर, 2013 के दौरान यू.ए.एस, बेंगलुरू में कृ.म.अनु.नि. के प्रदर्शनी स्टॉल का आयोजन किया।
- डा. एच. के. दास और डा. कुशाग्रा जोशी ने 'पूर्वी क्षेत्र कृषि प्रौद्योगिकी प्रदर्शन बैठक - 2013' में 6-7 दिसम्बर, 2013 के दौरान आइ.सी.ए.आर पूर्वी क्षेत्र के लिए अनुसंधान परिसर, पटना में कृ.म.अनु.नि. के प्रदर्शनी स्टाल का आयोजन किया।
- डा. नरेश बाबू और डा. अनन्त सरकार ने राष्ट्रीय संगोष्ठी 'पर्यावरण और उर्जा : चुनौतियां और अवसर' में 14 दिसम्बर, 2013 के दौरान भुवनेश्वर में कृ.म.अनु.नि. के प्रदर्शनी स्टॉल का आयोजन किया।

- Dr. Sabita Mishra and Dr. Abha Singh participated in exhibition in 'Eastern Region Agriculture Fair' from February 26-28, 2014 at Central Rice Research Institute, Cuttack.
- Dr Naresh Babu and Dr. Charles Jeeva participated in exhibition in 'Rashtriya Krishi Vigyan Mela' held from February 22-25, 2014 at Indira Gandhi Krishi Viswavidyalaya, Raipur.

- डा. सबिता मिश्रा और डा. आभा सिंह ने 'पूर्वी क्षेत्र कृषि मेला', 26-28 फरवरी, 2014 के दौरान केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में कृ.म.अनु.नि. के प्रदर्शनी स्टॉल का आयेजन किया।
- डा. नरेश बाबू और डा. चार्ल्स जीवा ने श्राष्ट्रीय कृषि विज्ञान मेलाश्, 22-25 फरवरी, 2014 के दौरान इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में कृ.म.अनु. नि. के प्रदर्शनी स्टॉल का आयोजन किया।

PARTICIPATION IN TRAININGS/ WORKSHOP/SEMINARS /CONFERENCES

- Dr S. K. Srivastava attended the AZRA Silver Jubilee International conference on 'Probing bio sciences for food security & environmental security,' held at CRRI, Cuttack during February 16-18, 2014 organized by AZRA and CRRI, Cuttack.
- Dr S. K Srivastava attended the National symposium on 'Emerging trends in eco-friendly insect pest management', held at Coimbatore on January 22-24, 2014.
- Dr S. K. Srivastava attended the 13th Workshop on 'Emerging opportunities for the mass production and quality assurance of invertebrate' held at Bangalore during November 06-08, 2013.
- Dr S.K. Srivastava attended the workshop on 'Viral diseases of pulse crops and their management' at OUAT Bhubaneswar on October 07, 2013.
- Dr Anil Kumar and Dr Naresh Babu attended a training programme on MDP on leadership development during November 26-December 07, 2013 at NAARM, Hyderabad.
- Dr Sabita Mishra attended International Conference at UAS, Bangalore from 4-8 December, 2014 organized by INSEE, Nagpur.
- Dr. Ananta Sarkar attended the 'Krishi Vasant - National Agriculture Fair cum Exhibition' during 9-13 February, 2014 held at CICR, Nagpur.
- Dr. J. Charles Jeeva attended the 'Scientist-Banker-Farmer interaction meet' on November 2, 2013 organized by Business Planning and Development Unit of CIFA, Bhubaneswar.
- Dr. A.K. Shukla and Dr. Kushagra Joshi attended 'Stakeholders meet of Technology platform' organised by M.S.Swaminathan Research Foundation (MSSRF) on December 22, 2013 at Bhubaneswar.

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/सम्मेलन में भागीदारी

- डा. एस.के. श्रीवास्तव ने AZRA रजत जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'खाद्य सुरक्षा एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए जीव विज्ञान' में 16-18 फरवरी, 2014 के दौरान केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में भाग लिया।
- डा. एस.के. श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय संगोष्ठी 'पर्यावरण के अनुकूल कीट प्रबंधन में उभरती प्रवृत्तियों' में 22-24 जनवरी, 2014 के दौरान तामिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर में भाग लिया।
- डा. एस.के. श्रीवास्तव ने 13वीं कार्यशाला 'अकरोरूकी की गुणवत्ता आश्वासन के लिए उभरते अवसर' में 6-8 नवम्बर, 2013 के दौरान बेंगलुरू में भाग लिया।
- डा. एस.के. श्रीवास्तव ने कार्यशाला 'दलहन फसलों के वायरल रोग और उनका प्रबंधन' में 7 अक्टूवर, 2013 को उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेशवर में भाग लिया।
- डा. अनिल कुमार एवं डा. नरेश बाबू ने 'नेतृत्व विकास पर MDP' प्रशिक्षण में 26 नवम्बर - 7 दिसम्बर, 2013 के दौरान एन.ए.ए.आर.एम, हैदराबाद में भाग लिया।
- डा. सबिता मिश्रा ने 'अंतराष्ट्रीय सम्मेलन' में 4-8 दिसम्बर, 2013 के दौरान यू.ए.एस, बंगलुरू में भाग लिया।
- डा. अनन्त सरकार ने 'कृषि वसन्त - राष्ट्रीय कृषि मेला एवं प्रदर्शनी' में 9-13 फरवरी, 2014 के दौरान सी.आई.सी.आर, नागपुर में भाग लिया।
- डा. चार्ल्स जीवा ने 'वैज्ञानिक बैकंर-किसान इन्टरफेस' बैठक में 2 नवम्बर, 2012 को सीफा, भुवनेश्वर में भाग लिया।
- डा. ए.के. शुक्ला और डा. कुशाग्रा जोशी ने, एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित 'पोषण हेतु फसल प्रणाली प्रौद्योगिक मंच बैठक' में 22 दिसम्बर, 2013 को भुवनेश्वर में भाग लिया।

- Dr. Ananta Sarkar attended the workshop on Internet Protocol Version 6 (IPv6) in DARE/ICAR held on February 27, 2014 at NASC Complex, New Delhi.
- Dr H.K. Dash delivered a talk on 'Public awareness campaign on women farmers in Odisha' on March 27, 2014 at Bhubaneswar.
- Smt. Tanuja.S attended 'Stake holders workshop on Climate change impact on fisheries and aquaculture in Odisha- adaptations and mitigations for resilience' on March 22, 2014 organized by CIBA, Chennai.
- Smt. Tanuja.S attended and presented two papers in the International Congress on 'Agriculture, Food Engineering and Environmental Sciences- Sustainable Approaches (AFEESSA- 2014)' organized by Krishi Sanskriti from March 29-30, 2014 at JNU, New Delhi.

- डा. अनन्त सरकार ने कार्यशाला 'इंटरनेट प्रोटोकॉल वरजन 6 (IPv 6)' में 27 फरवरी, 2014 को NASC परिसर, नई दिल्ली में भाग लिया।
- डा. एच.के. दाश ने 'ओडिशा में महिला किसानों पर जन जागरूकता अभियान' कार्यक्रम में विशेषज्ञ अतिथि के रूप में 27 मार्च, 2014 को भुवनेश्वर में भाग लिया।
- श्रीमती तनुजा एस ने हितधारकों की कार्यशाला 'ओडिशा में जलवायु परिवर्तन का मात्सिकी एवं मत्स्य पालन पर प्रभाव - लचीलापन के लिए रूपान्तरण एवं अल्पीकरण' में 22 मार्च, 2014 को सिफा, भुवनेश्वर में भाग लिया।
- श्रीमती तनुजा एस ने अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 'कृषि, खाद्य इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान - स्थायी दृष्टिकोण (AFEESSA-2014)' में 29-30 मार्च, 2014 के दौरान जे.एन.यू, नई दिल्ली में भाग लिया।

PROGRAMMES ATTENDED BY DIRECTOR, DRWA

- Attended Workshop on Development of Action Plan for Livelihood Options in Bali (Sunderban) at Kolkata on October 2, 2013.
- Attended Final meeting of Revisiting/Reviewing the existing ICAR-SRF (PGS) Competitive Examination Scheme at New Delhi on October 18, 2013.
- Attended KVK-Institute Interface on Cyclone-Flood Situation in Odisha organized by Zonal Project Directorate (Zone VII) at Directorate of Extension Education, OUAT, Bhubaneswar on October 21, 2013.
- Attended 8th the National KVK Conference at Bangalore on October 23-25, 2013.
- Attended 40th Foundation Day Function of the ASRB, New Delhi on October 31, 2013.
- Made a presentation at UNICEF workshop on WASH on November 11, 2013.
- Chaired the meeting of the committee constituted by ICAR on Minimum Standards of Higher Agricultural Education (MSHAE) in Home Science on November 23, 2013.
- Attended meeting for finalization of technical programme of AICRP on Home Science, HEE component, at NASC Complex on November 25, 2013.

निदेशक, कृ.म.अनु.नि. की विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी

- 2 अक्टूबर, 2013 को कोलकता में 'बाली (सुन्दरबन) में आजीविका के विकल्प के लिए कार्य योजना के विकास' पर कार्यशाला में भाग लिया।
- 18 अक्टूबर, 2013 को नई दिल्ली में ICAR-SRF (PGS) की प्रतियोगी परीक्षा योजना के समीक्षा की अंतिम बैठक में भाग लिया।
- 21 अक्टूबर, 2013 को उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कृषि विज्ञान केन्द्र-संस्थान इन्टरफेस 'ओडिशा में बाढ़ की स्थिति' में भाग लिया।
- 23-25 अक्टूबर, 2013 को यू.ए.एस, बेंगलुरू में '8वीं कृषि विज्ञान केन्द्र सम्मेलन' में भाग लिया।
- 31 अक्टूबर, 2013 को नई दिल्ली में 'ए.एस.आर.बी के 40वीं स्थापना दिवस समारोह' में भाग लिया।
- 11 नवम्बर, 2013 को यूनिसेफ कार्यशाला में WASH पर प्रदर्शन किया।
- 23 नवम्बर, 2013 को नई दिल्ली में 'गृह विज्ञान उच्च कृषि शिक्षा का न्यूनतम स्तर' (MSHAE) की समिति बैठक को चेयर किया।
- 25 नवम्बर, 2013 को NASC परिसर, नई दिल्ली में ए.आई.सी. आर.पी गृहविज्ञान के HEE component के तकनीकि कार्यक्रम की निर्णायक बैठक में भाग लिया।

- Delivered a talk on 'Strengthening women's participation in agriculture with gender friendly technologies' in Eima Agrimach India 2013 on December 7, 2013.
- Chaired the Technical Session on 'Women in Agriculture Day' celebrations of IIHR, Bangalore on December 8, 2013.
- Delivered the Key Note Address during the Biennial Conference of Home Science Association of India at M.S University, Baroda on December 20, 2013.
- Attended a CAS meeting in the ASRB, New Delhi on December 24, 2013.

- 7 दिसम्बर, 2013 को Eima कृषि भारत, 2013 के अवसर पर 'जेन्डर अनुरूप तकनीकियों से कृषि में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना' पर व्याख्यान दिया।
- 8 दिसम्बर, 2013, को आई.आई.एच.आर, बेंगलुरू में कृषि महिला दिवस के अवसर पर एक तकनीकि सत्र चेयर किया।
- 20 दिसम्बर, 2013 को एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदरा में गृह विज्ञान के द्विवार्षिक सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान दिया।
- 24 दिसम्बर, 2013 को ए.एस.आर.वी, नई दिल्ली में CAS बैठक में भाग लिया।

TRANSFER/PROMOTION

- Dr. M.P.S.Arya transferred to PDFSR, Modipuram and relieved on November 30, 2014

स्थानान्तरण/पदोन्नती

- डा. एम.पी.एस. आर्य, प्रधान वैज्ञानिक का स्थानान्तरण PDFSR, मोदीपुरम में हुआ तथा संस्थान से 30 नवम्बर, 2013 को पदभारमुक्त हुए।

RECOGNITION/ AWARDS

- Dr. Neelam Grewal, Director, DRWA received the Alumni Award during the Alumni Meet at PAU, Ludhiana on December 23, 2013.
- Smt. Anusaya Beura, a Village level Para Extension Worker of DRWA of Padasahi village in Dadha Panchayat of Bhubaneswar block has been conferred the prestigious *Krishi Prerna Samman* - Mahindra Samridhi India AGRI AWARD 2014 in a glittering ceremony held in New Delhi on February 24, 2014. She was selected as a regional award winner from Eastern zone for being instrumental in promoting sustainable and scalable innovative farming technologies and making a positive impact on agricultural community.

मान्यता / पुरस्कार

- डा. नीलम ग्रेवाल, निदेशक, कृ.म.अनु.नि. को 23 दिसम्बर, 2013 को एलमुनि सम्मान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा प्रदान किया गया।
- श्रीमती अनुसुइया बेयुरा, गाँव स्तर की कृ.म.अनु.नि. की पारा प्रसार कार्यकर्ता जो कि खुर्दा जिले के पदासायी गाॅव की निवासी है, को सम्मानीय कृषि प्रेरणा सम्मान-महिन्द्रा समृद्धि भारत कृषि सम्मान 2014 में एक विशेष समारोह में नई दिल्ली में 24 फरवरी, 2014 को सम्मानित किया गया। उन्हें पूर्वी जोन की क्षेत्रीय पुरस्कार विजेता के रूप में चुना गया जिसका कि कृषि समुदाय में कृषि सबंधित स्थायी व नई आसान तकनीकियों के प्रचार एवं प्रसार में काफी योगदान है।

Editors : Dr. (Smt.) Abha Singh
: Smt. Tanuja. S
: Dr. Kushagra Joshi
Published by : Dr. Neelam Grewal, Director
Directorate of Research on Women in Agriculture
Baramunda, Bhubaneswar-751003
Odisha, Ph. : 0674-2386220
Fax : 0674-2386242
E-mail : nrcwa@nic.in
Website : http://www.drwa.org.in

सम्पादक : डा. (श्रीमती) आभा सिंह
: श्रीमती तनुजा. एस
: डा. कुशाग्रा जोशी
प्रकाशन : डा. नीलम ग्रेवाल, निदेशक
कृषिरत महिला अनुसंधान निदेशालय (भा.कृ.अनु.प)
डाकघर - बरमुण्डा, भुवनेश्वर - 751003, ओडिशा
दूरभाष : 0674-2386220
फैक्स : 0674-2386242
ई-मेल : nrcwa@nic.in
वेबसाइट : http://www.drwa.org.in